Downloaded from www.studiestoday.com

पाठ -4

भूमंडलीकृत विश्व का बनना

याद रखने योग्य बाते :-

1. सिल्क मार्ग - ये मार्ग एशिया को यूरोप और उत्तरी अफ्रीका के साथ-साथ विश्व को जमीन और समुद्र मार्ग से जोड़ते थे।
2. यूरोपीय उपनिवेशवादी अपने साथ चेचक जैसी भंयकर बीमारियों के कीटाणु लेकर आये।
3. कार्न-ला वह कानून जिसके सहारे सरकार ने मक्का के आयात पर पाबंदी लगा दी थी।
4. रिडंरपेस्ट प्लेग की भांति फैलने वाली मवेशियों की बीमारी थी। यह बीमारी 1890 ई॰ के दशक में अफ्रीका में बड़ी तेजी से फैली।
5. बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की स्थापना 1920 के दशक में हुई परन्तु इनका विश्वव्यापी प्रसार पचास और साठ के दशक में ही अधिक हुआ।
6. बिट्रेन वुडस यूएसए में स्थित एक होटल का नाम है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद इस होटल में अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था सम्बन्धी एक सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन को ही बिट्रेन वुडस समझौते के नाम से जाना जाता है।
7. वस्तुओ का प्रवाह - अंग्रेजी शासन के साथ गेहूँ, सूती, ऊनी तथा रेशमी कपड़ों का प्रवाह भारत से इंग्लैण्ड में होता था।
8. श्रमिकों का प्रवाह - भारत में श्रमिक इंग्लैण्ड के श्रमिकों से सस्ते में उपलब्ध थे। इसलिए अंग्रेज इन्हें इगलैण्ड चाय, काफी, नील तथा तम्बाकू के बागानों में काम करने के लिये ले जाते थे।

(ब) बहुवैकल्पिक प्रश्न :-

(1) रिंडरपेस्ट क्या है?

(अ) एक आदमी (ब) बीमारी (स) एक स्थान (द) एक स्मारक

(2) इनमें से कौन-सा राष्ट्र थे?

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(अ) बिट्रेन, फ्रांस, रूस (ब) बिट्रेन, जापान, रूस (स) जर्मनी, आस्ट्रिया-हंगरी और आटोमन तुर्की (द) जापान, फ्रांस, जर्मनी

(3) दक्षिणी अमेरिका में एल डोराडो क्या है?

(अ) वह स्थान जहाँ कोलम्बस पहुँचा था (ब) जहाँ चाँदी की खाने पायी गई (स) किदवंतियों की बदौलत सोने का शहर (द) एक प्रसिद्ध दास बाजार

(4) निम्न में से किस देश के पास अर्न्तराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक में वीटो का प्रभावशाली अधिकार है?

(अ) भारत (ब) संयुक्त राज्य अमेरिका (स) जापान (द) श्रीलंका

(5) किस सदी से चीन ने दूसरे देशों के साथ सम्बन्ध कम करना शुरू किया और अलग अलग पड़ने लगा।

(अ) 14 वीं (ब) 15 वीं (स) 16 वीं (द) 17 वीं

(6) एशिया को यूरोप और उत्तरी अफ्रीका से जोड़ने वाले मार्गो को किस नाम से जाना जाता है?

(अ) एशियन मार्ग (ब) सिल्क मार्ग (स) व्यापार मार्ग (द) अफ्रीकी मार्ग

(7) निम्न में से किस देश ने मक्का के आयात पर पाबन्दी लगाने के लिये कार्न ला लागू किया?

(अ) भारत (ब) फ्रांस (स) चीन (द) बिट्रेन

(8) लगभग 500 साल पहले निम्न में से किस फसल के बारे में हमारे पूर्वजों को ज्ञान नही था?

(अ) आलू (ब) चावल (स) गेहूँ (द) कपास

(9) 1928 से 1934 के बीच भारत में गेहूँ की कीमत 50 प्रतिशत तक क्यों गिर गई?

(अ) कम उत्पादन के कारण (ब) बाढ़ के कारण (स) महामंदी के कारण

(द) सूखे के कारण

(10) आधुनिक युग से पहले निम्न में से किसने सिल्क रूट का प्रयोग नही किया?

(अ) ईसाई धर्म प्रचारक (ब) व्यापारी (स) मुस्लिम प्रचारक (द) पर्यटक

लघु/दीर्घ प्रश्न

(1) तीन उदाहरण देकर दर्शायें कि अमेरिका जाने वाले नये समुद्री रास्तों की खोज के बाद विश्व में बदलाव आया?

(2) 19 वीं सदी में हजारों लोगों द्वारा यूरोप से भागकर अमेरिका जाने के क्या कारण थे?

(3) 19 वीं सदी में अर्थव्यवस्था को आकार देने में कैसे-कैसे कारकों ने सहायता की?

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(4) रिंडरपेस्ट क्या था? इसने अफ्रीकी लोगों को किस तरह प्रभावित किया?

(5) सूती वस्त्र उद्योगों के औद्योगिकरण का ब्रिटेन में क्या प्रभाव पड़ा?

(6) यूरोपीय लोगों के अफ्रीका की और आकर्षित होने के मुख्य कारण क्या थे?

(7) कार्न-ला क्या था? उसे क्यों समाप्त किया गया इसकी समाप्ती के क्या परिणाम हुये?

(8) व्यापार अधिशेष से क्या अभिप्राय है? भारत के साथ बिट्रेन व्यापार अधिशेष की अव्यवस्था में क्यो रहा?

(9) बिट्रेन की अर्थव्यवस्था पर प्रथम विश्व युद्ध के क्या प्रभाव पड़े?

(10) आर्थिक महामंदी के कारण बताइये?

बहुवैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर

(1) (ब) बीमारी

(2) (अ) बिट्रेन, फ्रांस, रूस

(3) (स) किदवंतियों की बदौलत सोने का शहर

(4) (ब) संयुक्त राज्य अमेरिका

(5) (ब) 15 वीं

(6) (ब) सिल्क मार्ग

(7) (द) बिट्रेन

(8) (अ) आलू

(9) (स) महामंदी के कारण

(10) (द) पर्यटक

लघु/दीर्घ प्रश्नों के उत्तर :-

उत्तर (1) -

(1) आलू का इस्तेमाल शुरू करने पर यूरोप के गरीबों की जिन्दगी में बदलाव आया। उनका भोजन बेहतर हो गया और औसत उम्र बढ़ने लगी।

(2) गुलामों का व्यापार शुरू हो गया।

(3) यूरोप में धार्मिक टकराव होते रहते थे इसलिये हजारो लोग यूरोप से भागकर अमेरिका चले गये।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

उत्तर (2)

(1) कार्न-ला कानून को समाप्त करने के बाद कम कीमतो में सामान का आयात

(2) भयानक बिमारियों का फैलना

(3) धार्मिक टकराव

उत्तर (3) (1) सामाजिक कारक - खेती करने के लिये अधिक संख्या में लोगों को होना।

(2) आर्थिक कारक - औपनिवेशिकरण ने निवेश को बढ़ावा दिया।

(3) तकनीकी कारक - मजबूत परिवहन नेटवर्क की आवश्यकता पर बल।

उत्तर (4) (1) खतरनाक संक्रामक रोग/ मवेशी प्लेग

(2) 90 प्रतिशत से अधिक अफ्रीकी मवेशी मारे गये

(3) आजीविका का नष्ट हो जाना

उत्तर (5)

(1) आयात शुल्क के कारण ब्रिटेन में भारतीय कपास के आयात में तेजी से कमी आई।

(2) भारतीय वस्त्रों को अन्तर्राष्ट्रीय बाजारों में भारी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा।

(3) बाद में निर्माण किये गये सूती उत्पादों के निर्यात में कमी आने के पश्चात बिट्रिश निर्माताओं ने बहुत ही सस्ती कीमत पर भारत से कपास का आयात आरम्भ कर दिया।

उत्तर (6)

(1) अफ्रीका में विशाल भूक्षेत्र तथा खनिज के भंडारों का होना।

(2) यूरोपीय लोग अफ्रीका में बागानी खेती करने और खादानों का दोहन करना चाहते थे ताकि उन्हें यूरोप भेजा जा सके।

(3) अफ्रीका में औद्योगिक क्रान्ति नहीं आई थी।

(4) अफ्रीका सैन्य शक्ति में भी पिछड़ा हुआ था।

उत्तर (7)

(1) मक्का के आयात पर पाबन्दी - कार्न - ला

(2) यह भू स्वामियों के दबाव में किया गया।

(3) लोग इस कानून से नाराज थे क्योंकि खाद्य पदार्थो की कीमतें बहुत ऊंची थी।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(4) कार्न-ला की समाप्ति के बाद ब्रिटेन में आयतित खाद्य पदार्थो की लागत यहाँ पैदा होने वाले खाद्य पदार्थो से भी कम थी। जिसके कारण ब्रिटिश किसान आयतित माल की कीमत का मुकाबला नही कर सकते थे।

उत्तर (8)

(1) जब निर्यात मूल्य आयात मूल्य से अधिक होता है तो इसे व्यापार अधिशेष कहा जाता है।

(2) 19 वीं शताब्दी में भारतीय बाजारों में ब्रिटेन के बने माल की अधिकता हो गई थी। भारत से ब्रिटेन और शेष विश्व को भेजे जाने वाले खाद्यान्न एवं कच्चे मालों के निर्यात में इजाफा हुआ।

(3) लेकिन जो माल भारत भेजा जाता था उसकी कीमत काफी अधिक होती थी और जो भारत से इंग्लैण्ड भेजा जाता था उसकी कीमत काफी कम होती थी इसलिये बिट्रेन हमेशा व्यापार अधिशेष की अवस्था में रहता था।

उत्तर (9)

(1) युद्ध के बाद भारतीय बाजार में अपनी वर्चस्व वाली स्थिति को प्राप्त करना बिट्रेन के लिये मुश्किल हो गया।

(2) ब्रिटेन को विश्व स्तर पर अब जापान से भी मुकाबला करना था।

(3) अमेरिका से लिये गये कर्जे की वजह से बिट्रेन युद्ध के बाद भारी विदेशी कर्जे में डूब गया।

(4) युद्ध के कारण आया आर्थिक उछाल जब शान्त होने लगा तो उत्पादन गिरने लगा तथा और बेरोजगारी बढ़ने लगी।

(5) इसी समय सरकार ने भारी भरकम युद्ध सम्बन्धी व्यय में कटौती आरम्भ कर दी ताकि शांतिकालीन करों के सहारे उनकी भरपाई की जा सके। इन प्रयासों से रोजगार भारी मात्रा में समाप्त हो गये।

उत्तर (10)

(1) महामंदी की शुरूआत 1929 से हुई और यह संकट 30 के दशक के मध्य तक बना रहा इस दौरान दुनियाँ के ज्यादातर हिस्सों में उत्पादन, रोजगार, आय और व्यापार में बहुत बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

(2) युद्धोत्तर विश्व अर्थव्यवस्था बहुत कमजोर हो गई थी। कीमते गिरी तो किसानों की आय घटने लगी और आमदनी बढ़ाने के लिये किसान अधिक मात्रा में उत्पादन करने लगे।

(3) बहुत सारे देशों ने अपनी निवेश सम्बन्धी जरूरतों को पूरा करने के लिये अमेरिका से कर्ज लिया।

(4) अमेरिकी उद्योगपतियों ने मंदी की आशंका को देखते हुये यूरोपीय देशों को कर्ज देना बन्द कर दिया।

(5) हजारों बैंक दीवालिया हो गये।

Downloaded from www.studiestoday.com